(ख) उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बताये गये अनुसार उत्तर प्रदेश के सभी जिलों के लिये मार्च और अप्रैल 77 के दौरान 98 और 125 रेकों की आवश्यकता की तुलना में क्रमशः 95.5 और 127.5 रेकों का आवंटन किया गया है। इस प्रकार आवश्यकता को पूरा कर दिया गया है।

(ग) जिलों की आवश्यकताएं राज्य सरकारों के द्वारा बताई जाती हैं जिसे रेलें पूरा करती है।

अधिनियमों का हिन्दी में अनुवाद

1232. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या **विधि, न्याय और कम्पनी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कितने अधिनियमों का हिन्दी अनुवाद हो चुका है और कितनों का होना शेष है ;

(ख) इन अधिनियमों का अनुवाद करने के लिये क्या व्यवस्था की गई है तथा क्या इस उद्देश्य के लिये यह व्यवस्था पर्याप्त है ; और

(ग) वर्तमान अधिनियमों का हिन्दी अनुवाद कब तक पूरा करने की योजना है ?

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्री (श्री शान्ति भूषण) : (क) अभी तक 801 केन्द्रीय अधिनियमों का हिन्दी में अनुवाद किया जा चुका है। 81 अधिनियमों का अनुवाद करना बाकी है।

(ख) राजभाषा (विधायी) आयोग को 1 अक्टूबर, 1976 से समाप्त कर दिया गया था। उसके बाद केन्द्रीय अधिनियमों का हिन्दी अनुवाद तैयार करने का कार्य विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय के विधायी विभाग के राजभाषा खंड को सौंपा गया है। यह व्यवस्था पर्याप्त पाई गई है।

(ग) कार्य को यथाशीघ्र अद्यतन करने के लिये भरसक प्रयास किया जा रहा है।

कृत्रिम रबड़ की मांग और उत्पादन

1233. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या **पेट्रोलियम तथा रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में कृत्रिम रबड़ का वार्षिक उत्पादन कितना है और वह देश की कुल मांग का कितने प्रतिशत है ; और

(ख) किन-किन स्थानों पर तथा कितनी कितनी मात्रा में कच्चा माल उपलब्ध है और क्या इसका उत्पादन बढ़ाने के लिये कोई प्रयास किये जा रहे हैं और यदि हां, तो किस प्रकार।

पेट्रोलियम रसायन और उर्वरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) : (क) देश में संश्लिष्ट रबड़ के उत्पादन तथा खपत संबंधी आंकड़े वर्ष 1976-77 के (वास्तविक आंकड़े) और 1977-78 के (अनुमानित आंकड़े), संलग्न विवरण में दिये गये हैं।

(ख) देश में अब तक जिस एक मात्र संश्लिष्ट रबड़ का उत्पादन किया जा रहा था वह एस० बी० आर० टाइप रबड़ है और देश में नाइट्राइल रबड़ का उत्पादन अभी अभी आरम्भ किया गया है। पी० बी० आर० टाइप रबड़ के निर्माण हेतु एक संयंत्र का निर्माण किया जा रहा है। एस० बी० आर० टाइप के लिये अपेक्षित कच्चा माल अल्कोहल और बेंजिन हैं नाइट्राइल रबड़ के लिए एक्रीलोनीट्राइल और अल्कोहल तथा बेंजीन और पी बी आर टाइप रबड़ के लिये बूटाडीन अपेक्षित कच्चा माल है। देश में संश्लिष्ट रबड़ के उत्पादन के के लिये, जिन वर्तमान आवश्यकताओं की आवश्यकता है उन में से केवल एक्रीलोनी-